<u>प्रेस-विज्ञप्ति</u>

‘माहा-चक्रवात’ के मद्देनजर दीव समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने राहत शिविरों का लिया जाएजा

मुख्य मार्ग एवं ऊंची इमारतों पर लगे होर्डिंग और बैनरों को अति-शीघ्र हटाने के दिये निर्देश

दीव 05 नवम्बर, 2019: दीव जिला समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने ‘माहा-चक्रवात’ से निपटने के लिए की गई सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने राहत शिविरों का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। दीव जिला प्रशासन ने चक्रवात को ध्यान में रखते हुए पूरे जिले में आठ राहत शिविरों की स्थापना की है, जिसमें सभी व्यवस्थायें उपलब्ध हैं। पांजरापोर, घोघला, हायर सेकेंडरी स्कूल, दीव, सरकारी प्राथमिक विद्यालय सं.01, वणांकबारा, वडलीमाता स्कूल, जोलावाडी पंचायत भवन, गांधीपारा सामुदायिक भवन, गांधीपारा आंगनवाडी भवन और सरकारी उच्चतर माध्यमिक (गर्ल्स) विद्यालय, जलाराम सोसाइटी, बणांकबारा में बनायी गयी राहत शिविरों का निरीक्षण करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे शरण लेने वाले नागरिकों की पूरी देख-भाल करें और उन्हें खाद्य, चिकित्सा एवं अन्य सुविधाएं मुहैया करायें।

दीव समाहर्ता ने सैलानियों से दीव में नहीं आने की अपील करते हुए उन्हें समुद्रतट से दूर रहने को भी कहा है ताकि आपदा की स्थिति में जान-माल का नुकसान न होने पाये। दीव समाहर्ता ने हिदायत दी है कि अतिशीघ्र होर्डिंग और बैनरों को हटा लिये जाएं क्योंकि चक्रवात के दौरान तेज हवाओं के चलने से इन होर्डिंगों के गिरने का भय बना रहता है जो जोखिम भरे हो सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा आपदा नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है जो 24X7 राहत एवं बचाव कार्य के लिए खोला गया है। इस नियंत्रण कक्ष को समाहर्तालय परिसर में स्थापित किया गया है।

दीव जिला प्रशासन के सभी विभाग राहत और बचाव कार्य को पूरा करने में लगे हुए हैं। संघ प्रदेश दमण-दीव प्रशासन ने संपूर्ण निगरानी हेतु प्रशासन के परिवहन सचिव श्री दानिश अशरफ को तैनात किया है जिन्होंने राहत एवं बचाव के लिए उठाये गये कदमों का निरीक्षण किया और आपदा की स्थिति में अतिआवश्यक वस्तुओं और सुविधाओं को तैयार रखने के लिए दिशा-निर्देश दिये।

दीव समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय के निर्देश पर आम नागरिकों को इस चक्रवात से अवगत कराने के लिए व्यापक प्रचार किया जा रहा है एवं आपदा की स्थिति से निपटने के लिए उन्हें राहत शिविरों में पहुँचाया जा रहा है। उनसे अपील की गई है कि वे चक्रवात के आने से पूर्व राहत शिविरों की ओर रूख करें ताकि उन्हें किसी प्रकार की हानि ना होने पाये। बच्चों को दूध मुहैया कराये जाने की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर ली गई है। दीव के तटीय प्रभावति क्षेत्र के लोगों के लिए भोजन और आवास की भी व्यवस्था पूरी कर ली गई है। एन.डी.आर.एफ. की दो टीमों ने मोर्चा संभाल लिया है जबकि तीन और टीमें आनेवाली हैं। प्रशासन ने चक्रवात से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम कर लिये हैं।

विदित हो कि दिनांक 6 नवम्बर की शाम से 7 नवम्बर की सुबह के बीच 'माहा-चक्रवात' के दीव के तटीय क्षेत्र से टकराने की संभावना है। अगर टकराने के समय चक्रवात की तीव्रता ज्यादा हुई तो यह दीव के कई हिस्सों में प्रभाव दिखाएगा मगर प्रशासन ने सभी प्रकार की स्थिति से निपटने की पूरी तैयारी कर ली है और प्रशासन विषम परिस्थितियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।